

भारत सरकार  
रसायन और उर्वरक मंत्रालय  
औषध विभाग

लोक सभा  
अतारांकित प्रश्न संख्या 2340  
दिनांक 13 फरवरी, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

चिकित्सा उपकरण क्षेत्र

2340. श्री राजपालसिंह महेंद्रसिंह जादवः

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) वर्तमान में उत्पादन से संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के अंतर्गत भारत में निर्मित किए जा रहे विशिष्ट उच्च-स्तरीय चिकित्सा उपकरणों का ब्यौरा क्या है;
- (ख) मेडिकल डिवाइस पार्क विनिर्माताओं को उत्पादन में स्तरीय अर्थव्यवस्थाएं प्राप्त करने में किस प्रकार मदद कर रहे हैं;
- (ग) क्या विभिन्न कौशल विकास उप-योजनाओं के माध्यम से उक्त क्षेत्र में उच्च-तकनीकी श्रमबल विकसित किया गया है; और
- (घ) यदि हां, तो सरकार द्वारा चिकित्सा उपकरण क्षेत्र में उद्योग-अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए तैयार की गई रणनीति सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री (श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क): चिकित्सा उपकरणों के घरेलू विनिर्माण के संवर्धन के लिए उत्पादन-सम्बद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का उद्देश्य घरेलू विनिर्माण क्षमता के निर्माण के लिए बड़े निवेश को आकर्षित करके और घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहित करके चिकित्सा उपकरणों के घरेलू विनिर्माण का संवर्धन करना है। इस योजना के अंतर्गत देश में इस समय विनिर्मित किए जा रहे उच्च स्तरीय चिकित्सा उपकरणों की सूची अनुलग्नक में दी गई है।

(ख): चिकित्सा उपकरण पार्क संवर्धन योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और तमिलनाडु राज्यों में प्रत्येक में एक-एक चिकित्सा उपकरण पार्क की स्थापना का उद्देश्य अत्याधुनिक विनिर्माण पारिस्थितिक तंत्र बनाकर एक उच्च प्रतिस्पर्धी घरेलू विनिर्माण पारिस्थितिक तंत्र विकसित करना है, जो इन पार्कों में स्थापित ग्रीनफील्ड इकाइयों को सहज और सुलभ सुविधाएं प्रदान करती है। चिकित्सा उपकरण पार्क में भूमि काफी रियायती दरों पर उपलब्ध कराई जाती है, अक्सर स्टॉप शुल्क में छूट या रियायत के साथ, जिससे भूमि अधिग्रहण और परियोजना स्थापना पर प्रारंभिक पूंजीगत व्यय में उल्लेखनीय कमी आती है। यह अग्रिम लागत राहत विशेष रूप से ग्रीनफील्ड निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे उनकी पूंजी का एक बड़ा हिस्सा संयंत्र और मशीनरी, प्रौद्योगिकी अधिग्रहण, स्वचालन और गुणवत्ता प्रणालियों पर लगाया जा सकता है, न कि भूमि लागत और उन सुविधाओं की स्थापना की लागत पर जो साझी सुविधाओं के रूप में इन पार्कों में उपलब्ध कराई जा रही हैं जैसे 3डी डिजाइन और प्रिंटिंग, इलेक्ट्रॉनिक असेंबली,

इलेक्ट्रो मैग्नेटिक इन्टरफेरेंस और अनुकूलता केंद्र, मोल्लिंग, स्टेरेलाइजेशन, जैव अनुकूलता परीक्षण, विष विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक पुर्जों का परीक्षण, घटक परीक्षण, गामा विकिरण सुविधा आदि। ऐसी सुविधाओं को साझा आधार पर प्रदान करके, पार्क कंपनियों को महंगी, पूंजी-गहन अवसंरचना में निवेश करने की आवश्यकता को समाप्त कर देते हैं, जिसका अक्सर आंतरिक रूप से स्थापित होने पर कम उपयोग होता है। इससे विनिर्माण, परीक्षण और सत्यापन की प्रति इकाई लागत में काफी कमी आती है, साथ ही उत्पाद विकास की समयसीमा भी कम हो जाती है।

**(ग):** चिकित्सा उपकरण क्षेत्र में क्षमता विनिर्माण और कौशल विकास चिकित्सा उपकरण उद्योग को सुदृढ़ बनाने की योजना की क्षेत्रीय उप-योजना वर्तमान में कार्यान्वयन चरण में है। इस उप-योजना के तहत, चिकित्सा उपकरणों में स्नातकोत्तर, पीजी-डिप्लोमा और कौशल कार्यक्रमों के माध्यम से विशेषीकृत उच्च-तकनीकी जनशक्ति का विकास किया जा रहा है। इस उप योजना के तहत शैक्षणिक संस्थान उद्योग के संपर्क, इंटरशिप और अनुप्रयुक्त अनुसंधान द्वारा समर्थित चिकित्सा उपकरण डिजाइन, उत्पादन, परीक्षण और निदान में व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ उद्योग-संरक्षित पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं।

अब तक, आईआईटी, एनआईटी, नाईपर, निमहंस आदि सहित 12 से अधिक प्रमुख संस्थानों को शामिल करते हुए 18 परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की गई है, जो अगले तीन वर्षों में लगभग 750 हार्ड-टेक व्यवसायियों को सृजित करने में सेवारत हैं।

**(घ):** औषध विभाग द्वारा फार्मा-मेडटेक सेक्टर में अनुसंधान संवर्धन (पीआरआईपी) योजना शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य नवीन चिकित्सा उपकरणों सहित उद्योग, एमएसएमई और प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में स्टार्टअप की अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है। चिकित्सा उपकरणों में विशिष्ट अनुसंधान क्षमताओं के विनिर्माण में सहायता करने, उद्योग-अकादमिक संबंधों का लाभ उठाने, अनुसंधान अवसंरचना को संस्थागत रूप से सशक्त करने और प्रतिभा पूल को पोषित करने के उद्देश्य से, राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर), अहमदाबाद में उन्नत सुविधाओं से युक्त चिकित्सा उपकरण पर आधारित उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की गई है।

इसके अतिरिक्त, नाईपर परिषद ने नाईपर और औषध तथा चिकित्सा उपकरण उद्योग के बीच कार्यनीतिक समन्वय के संवर्धन के लिए एक संस्थागत तंत्र के रूप में नाईपर अकादमिक-उद्योग समन्वय समिति की स्थापना की है, जिसका उद्देश्य अन्य बातों के अलावा, नाईपर और उद्योग के बीच अधिक तालमेल को सुविधाजनक बनाना और अनुसंधान-संचालित विकास, नवाचार, कौशल विकास और अकादमिक अनुसंधान को औद्योगिक अनुप्रयोगों में बदलने के लिए सहयोग प्रदान करना है।

दिनांक 13.02.2026 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2340 के भाग (क) के उत्तर के संबंध में उल्लिखित अनुलग्नक।

पीएलआई योजना के अंतर्गत भारत में विनिर्माण किए जा रहे उच्च स्तरीय चिकित्सा उपकरण।

1. रोटेशनल कोबाल्ट मशीन
2. लिनियर एक्सेलरैटर (लिनेक)
3. लेजर एब्लेशन सिस्टम
4. सीटी स्कैन
5. एमआरआई
6. एमआरआई कॉयल्स
7. मैमोग्राफी
8. एक्स-रे उपकरण
9. फिक्स्ड लाइन फ्रीक्वेंसी (एलएफ) और हाई फ्रीक्वेंसी (एचएफ) एक्स-रे उत्पाद सहित एक्स-रे
10. सी-आर्म / सर्जिकल एक्स-रे सी-आर्म
11. कैथ लैब
12. पीईटी डिटेक्टर
13. डिजिटल एक्स-रे फ्लैट पैनल डिटेक्टर
14. एक्स-रे पैनल
15. एनेस्थीसिया वर्कस्टेशन
16. एनेस्थीसिया यूनिट वेंटिलेटर
17. डायलाइजर
18. डायलिसिस मशीन
19. हेमोडायलिसिस कैथेटर
20. पेरिटोनियल डायलिसिस किट्स
21. ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स
22. हाई फ्लो ऑक्सीजन डिवाइसेस
23. इंटेन्सिव केयर वेंटिलेटर
24. इमरजेंसी वेंटिलेटर
25. ईसीजी
26. पेशेंट मॉनिटरिंग सिस्टम / पेशेंट मॉनिटर
27. मल्टी-पैरामीटर मॉनिटर
28. डिफाइब्रिलेटर / ऑटोमेटेड एक्सटर्नल डिफाइब्रिलेटर (एईडी)
29. बाई-फेसिक डिफाइब्रिलेटर
30. स्ट्रेस टेस्ट सिस्टम
31. हिप इम्प्लांट
32. घुटना इम्प्लांट
33. टांमा इम्प्लांट
34. पीटीसीए बैलून डाइलेशन कैथेटर / पीटीसीए बैलून कैथेटर/ड्रग एल्यूटिंग बैलून
35. हार्ट वाल्व
36. स्टेंट/ड्रग एल्यूटिंग स्टेंट
37. इंटरवैस्कुलर लिथोट्रिप्सी कैथेटर सिस्टम
38. एंडोकोटर

\*\*\*\*\*